लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

CROSS BORDER TERRORISM HAS BECOME A GLOBAL CHALLENGE: LOK SABHA SPEAKER/सीमा पार आतंकवाद वैश्विक चुनौती बन गया है: लोक सभा अध्यक्ष

…

MODERNIZATION OF DEFENCE CAPABILITIES IS NEEDED TO TACKLE CHALLENGES LIKE CYBER WARFARE, DRUGS, WEAPONS, MONEY-LAUNDERING: LOK SABHA SPEAKER/साइबर युद्ध, ड्रग्स, हथियार, मनी-लॉन्ड्रिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए रक्षा साधनों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है: लोक सभा अध्यक्ष

…

NEW POLICY OF INFUSING YOUNG TALENT IN DEFENCE SECTOR WILL STRENGTHEN MILITARY CAPABILITY: LOK SABHA SPEAKER/रक्षा क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को शामिल करने की नई नीति से सैन्य क्षमता मजबूत होगी: लोक सभा अध्यक्ष

…

PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON DEFENCE IS AN IMPORTANT LINK BETWEEN ELECTED REPRESENTATIVES AND DEFENSE FORCES: LOK SABHA SPEAKER/रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और रक्षा बलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES 63RD COURSE MEMBERS OF NATIONAL DEFENCE COLLEGE/लोक सभा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के 63वें पाठ्यक्रम के सदस्यों को संबोधित किया

…

New Delhi; 2 March, 2023: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed 63rd Course Members of National Defence College, (NDC), New Delhi, in Parliament Complex, today. Emphasizing that national security has always been top priority for India, Shri Birla observed that the defense sector has played a major role in this. India today is making a significant contribution to global progress, development, prosperity, peace and stability, added Shri Birla. At a time when the national security scenario is becoming complex, cross border terrorism has become a global challenge. He emphasized that modernization of defence capabilities is need to tackle challenges like cyber warfare, drugs, weapons, money-laundering through innovation.

At the outset, Shri Birla welcomed Members of National Defence College to Parliament Complex and hoped that their visit to the temple of democracy would acquaint them better with the practices and procedures in legislatures.

Shri Birla noted that India has a long history of warfare and its study which is testimony to the fact that we have a rich and enduring heritage of military strategy. Mentioning Chanakya, Shri Birla noted that the principles of warfare, diplomacy and future strategy, etc. taught by him, remain the hallmark of diplomatic relations even today.

Mentioning about recent developments in India’s defence sector, Shri Birla said that in order to create a strong army for a strong India, we have laid a strong military foundation during the last few years by taking initiatives towards making our defense sector self-reliant. From building Defense Industrial Corridors to creating supply chains for manufacturing ecosystem, from reducing import dependence to increasing defense exports, from higher budgetary allocation to promoting indigenous manufacturing through 'Make in India' India has made rapid progress at every level, noted Shri Birla.

Appreciating the new policy of infusing young talent in defence sector, Shri Birla said that such measures would further strengthen our military capability. Expressing happiness that more and more girls are joining defence forces, Shri Birla said that it reflects their commitment and dedication to the nation.

SHRI BIRLA APPRECIATES THE ROLE OF PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON DEFENCE

Speaking on Parliamentary Standing Committee on Defence, Shri Birla noted that the Committee acts as an important link between the elected representatives and the defense forces. As a parliamentary watchdog, the Committee has been working on various important topics such as assessment of preparedness of the armed forces for hybrid warfare including strategic, cyber threats and anti-drone capabilities of the defense forces, important research initiatives, assessment of domestic production of defense equipment, modernization of defense forces, etc.

नई दिल्ली; 2 मार्च, 2023: लोक सभा अध्यक्ष , श्री ओम बिरला ने आज संसद परिसर में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) , नई दिल्ली के 63वें पाठ्यक्रम के सदस्यों को संबोधित किया। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता देता आया है, श्री बिरला ने कहा कि रक्षा क्षेत्र ने इसमें प्रमुख भूमिका निभाई है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत आज वैश्विक प्रगति, विकास, समृद्धि, शांति और स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। ऐसे समय में जब राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य जटिल होता जा रहा है , सीमा पार आतंकवाद एक वैश्विक चुनौती बन गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि साइबर युद्ध , ड्रग्स, हथियार, मनी-लॉन्ड्रिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए नवाचार के माध्यम से रक्षा क्षमता के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है।

श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि लोकतंत्र के मंदिर में आने से वे विधानमंडलों की पद्धतियों और प्रक्रियाओं से सुपरिचित होंगे।

श्री बिरला ने कहा कि भारत का युद्ध का एक लंबा इतिहास रहा है और हमारे पास सैन्य रणनीति की एक समृद्ध विरासत है। चाणक्य का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि उनके द्वारा सिखाए गए युद्ध , कूटनीति और भावी रणनीति आदि के सिद्धांत आज भी राजनयिक संबंधों की पहचान हैं।

भारत के रक्षा क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि मजबूत भारत के लिए एक मजबूत सेना बनाने के लिए हमने पिछले कुछ वर्षों के दौरान अपने रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल करते हुए एक मजबूत सैन्य नींव रखी है। श्री बिरला ने कहा कि रक्षा औद्योगिक कॉरिडॉर के निर्माण से लेकर विनिर्माण तंत्र के लिए आपूर्ति श्रृंखला बनाने; आयात पर निर्भरता कम करने से लेकर रक्षा निर्यात बढ़ाने तक और उच्च बजटीय आवंटन से लेकर 'मेक इन इंडिया' के माध्यम से स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने तक भारत ने हर स्तर पर तेजी से प्रगति की है।

श्री बिरला ने रक्षा क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को शामिल किए जाने की नई नीति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के उपायों से हमारी सैन्य क्षमता और मजबूत होगी। अधिक से अधिक संख्या में लड़कियों के रक्षा बलों में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण को दर्शाता है।

श्री बिरला ने रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति की भूमिका की सराहना की

रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के बारे में विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि यह समिति निर्वाचित प्रतिनिधियों और रक्षा बलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती है। एक संसदीय प्रहरी के रूप में , समिति रणनीतिक, साइबर खतरों और रक्षा बलों की ड्रोन-विरोधी क्षमताओं सहित हाइब्रिड युद्ध के लिए सशस्त्र बलों की तैयारियों का आकलन , महत्वपूर्ण अनुसंधान पहलों, रक्षा उपकरणों के घरेलू उत्पादन केआकलन , रक्षा बलों का आधुनिकीकरण आदि जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार कर रही है।